www.vidarbhakibaat.in
Post Reg. No. RNP/NPCITY /169 /2015-2017
प्रखर... मुखर... स्वर

विदर्भ की बात

● वर्ष 17 ● अंक 156 नागपुर, बुधवार, 3 मई 2017 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य ₹ 2

सुप्रभात

मध्यप्रदेश का नया वित्तीय वर्ष अब मार्च नहीं जनवरी से होगा शुरू

भोपाल

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई कैबिनेट की बैठक में नया वित्तीय वर्ष जनवरी से शुरू करने के निर्णय को मंजूरी दी गयी। नया वित्तीय वर्ष दिसंबर में समाप्त होगा और बजट सत्र दिसंबर-जनवरी में होगा। मध्यप्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य है जो कई वर्षों से चली आ रही मार्च में वित्तीय वर्ष खत्म होने की परंपरा समाप्त कर नई शुरुआत करेगा। इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी पहल की थी।

मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कैबिनेट में लिए गए फैसलों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सभी विभागों के अधिकारियों को अपने-अपने विभाग के लिए रोडमैप बनाने के निर्देश दिए गए हैं। सभी मंत्री इसकी मॉनिटरिंग करेंगे। दो साल के इस रोडमैप को सरकार द्वारा दिए गए संकल्प पत्र और घोषणाओं को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा।

सभी कार्यों की तीन महीने में समीक्षा की जाएगी। हर मंगलवार को विभागों से संबधित विषय देखे जाएंगे। मंत्री मिश्रा ने कहा कि सीएम ने यह आदेश जारी किया है कि अब सरकार के लेटर हेड, बैनर और विज्ञापनों में पंडित दीनदयाल के फोटो का लोगो लगाया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकवादियों ने फिर बैंक को लूटा

श्रीनगर

सुरक्षाबलों द्वारा मंगलवार को पूरे कुलगाम में आतंकियों के खिलाफ जारी सघन तलाशी अभियान के बीच आतंकियों ने कडर कस्बे में स्थित इलाकाई देहाती बैंक की स्थानीय शाखा से 65 हजार की नकदी लूट ली। फिलहाल, सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर रखा है।

गौरतलब है कि गत सोमवार की शाम पौने पांच बजे के करीब हिजबुल मुजाहिद्दीन के आतंकियों ने एसएसपी कुलगाम के कार्यालय से लगभग तीन किलोमीटर दूर पोंबल में जम्मू कश्मीर बैंक की कैशवैन पर हमला कर पांच पुलिसकर्मियों व दो बैंक सुरक्षाकर्मियों समेत सात लोगों की हत्या कर, पांच सरकारी एसएलआर राइफलों को भी लूट लिया था। इस घटना के बाद से पूरे दक्षिण कश्मीर में एलर्ट जारी है। अलबत्ता, सुरक्षाबलों द्वारा बरते जा रहे एहतियात के बीच एक बार फिर कुलगाम के कडर कस्बे में आतंकियों ने इलाकाई देहाती बैंक में लूट की। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि बैंक के भीतर तथाकथित तौर पर दो आतंकी दाखिल हुए थे। एक ने पिस्तौल थाम रखी थी और दूसरे के हाथ में कथित तौर पर एसाल्ट राइफल थी। बैंक में दाखिल हुए आतंकियों के एक या दो साथी बाहर खड़े थे। बैंक में दाखिल होने के बाद आतंकियों ने वहां मौजूद सभी लोगों को धमकाते हुए एक तरफ खड़ा किया और कैश काऊंटर पर जमा 65 हजार रुपये की नकदी को उठाया और भाग निकले। आतंकियों के बैंक से निकलने के फौरन बाद संबधित बैंक अधिकारियों ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस के साथ साथ सीआरपीएफ और सेना के जवान भी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गए।

मोदी का 'ऑपरेशन क्लीन मनी', बेनामी संपत्ति रखने वालों पर तेज होगी कार्रवाई

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्व अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में ऑपरेशन क्लीन मनी के बारे में जानकारी ली। बैठक में पीएम मोदी ने वित्त मंत्रालय के अधिकारियों से बेनामी प्रॉपर्टी रखने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने को कहा है।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्व अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में ऑपरेशन क्लीन मनी के बारे में जानकारी ली।

इस दौरान पीएम मोदी ने यह भी कहा कि टैक्स के दायरे में और लोग आएं ताकि कर का आधार बढ़ाया जा सके। ये सभी जानकारी सरकारी सूत्रों के हवाले से आ रही है।

बैठक में पीएम मोदी ने ई-मूल्यांकन को शीघ्र लागू करने का आदेश दिया है ताकि मानवीय हस्तक्षेप को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह मूल्यांकन कम्प्यूटरीकृत होना चाहिए। कमर्शियल फ्लैटों, दुकानों की जांच कालेधन के खिलाफ इस बड़ी कार्रवाई के तहत देश के सभी प्रमुख शहरों के हाईवे के पास की जमीनों की जांच शुरू की गई। इसके अलावा देश के प्रमुख शहरों के वीआइपी इलाकों में मौजूद जायदादों की जांच भी की गई। प्रमुख औद्योगिक प्लॉटों और कमर्शियल फ्लैटों, दुकानों की जांच की गई।

जांच एजेंसियों ने कालेधन का पता लगाने के लिए ये पता करने की कोशिश की कि दुकानें और प्लॉट, बड़े बंगले और औद्योगिक प्लॉट किसके लिए हैं। जांच के दौरान पता चला कि दिल्ली के लुटियन जोन में भी कुछ बंगलों का वास्तविक मालिक कोई और है। जांच के दायरे में रिश्वत और भ्रष्टाचार की रकमों से खरीदे गए कुछ बंगले हैं।

क्या है ऑपरेशन क्लीन मनी

'ऑपरेशन क्लीन मनी' के तहत इनकम टैक्स डिपार्टमेंट टैक्स रिटर्न भरने वाले लोगों के ऐसे खातों की जांच में जुटा है, जिनमें 2 लाख रुपये से ज्यादा जमा हुए हैं। साल 2017-18 के लिए जारी किए गए रिटर्न फॉर्म में इस बाबत एक नए कॉलम का प्रावधान है।

इस कॉलम में दी गई जानकारी को बैंकों और दूसरी वित्तीय संस्थाओं से मिले डाटा से मिलाया जा रहा है।

यूपी में भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत से जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण से मिली मुक्ति - शाह

नई दिल्ली

भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने मंगलवार को उत्तरप्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यूपी में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बहुत मेहनत की, जिससे भाजपा को तीन चौथाई बहुमत मिला। इतना ही नहीं जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण से भी मुक्ति मिली। उन्होंने कार्यकर्ताओं को नसीहत देते हुए कहा कि हमें जीत के बाद विनम्र बनना पड़ेगा।

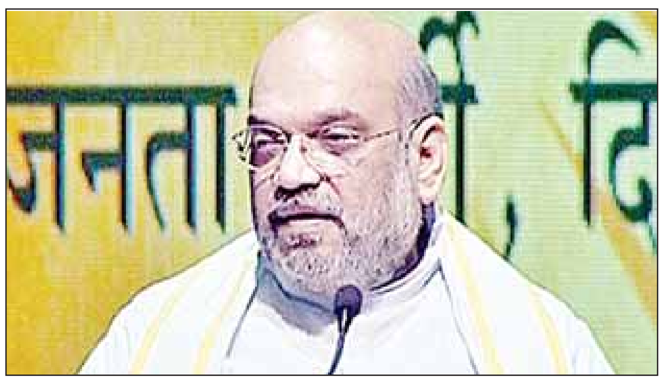

अमित शाह ने कहा कि भाजपा देशभक्त कार्यकर्ताओं का संगठन है। कई नेताओं ने अपने पूरे जीवन पार्टी के लिए काम किया है, तब जाकर पार्टी यहां पहुंची है। भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। 11 करोड़ लोग पार्टी के सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार देश के 17 राज्य और केंद्र में है। हमारी पार्टी कभी भी सरकार बनाने के लिए राजनीति में नहीं आई थी। हार-जीत आती रही, लेकिन हम कभी नहीं भटके। हम लोग बसपा, सपा के कार्यकर्ता नहीं हैं। हमारी पार्टी के कार्यकर्ता भाजपा की संस्कृति के अनुरूप ही काम करते हैं।

लखनऊ के कन्वेंशन सेंटर में अमित शाह ने कहा, पिछली कई सरकारों ने देश में जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति की। देश का माहौल बिगाड़ दिया, लेकिन 2014 में जनता ने केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को पूर्ण बहुमत देकर इसे बदलने की शुरुआत की। अब विधानसभा चुनावों में उत्तरप्रदेश की जनता ने 325 सीटें देकर इस नासूर को देश से ही खत्म कर दिया है। अपने समापन संबोधन में अमित शाह ने कार्यकर्ताओं को जीत का श्रेय देते हुए कहा कि जीत के साथ हमें विनम्र और जवाबदेही भी बनना होगा। उन्होंने कहा, सपा और बसपा सरकार को जनता ने इसी वजह से उखाड़ फेंका।

जनता का किसी भी प्रकार से शोषण न हो, जनता से विनम्रता से पेश आएं। उन्होंने कहा आज देश में 14 राज्यों में भाजपा की सरकार है। तीन राज्यों में सहयोग की सरकार है। पूरे देश में 1387 विधायक हैं अत: हमारी जिम्मेदारी और जवाबदेही ज्यादा है।

जवानों के सिर काटे जाने पर सिब्बल ने कसा तंज, पीएम से पूछा- दो के बदले कितने?

नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के कृष्णा घाटी इलाके में पाकिस्तान सेना द्वारा बर्बरता पूर्वक दो भारतीय जवानों के सिर काटे जाने से देश भर में गुस्से का माहौल है, वहीं कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने इस मुद्दे पर विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए निशाना साधा है।

सिब्बल ने कहा, जब 2013 में हेमराज का सिर काटा था, सुषमा जी ने कहा था कि एक के बदले 10 लाएंगे। मैं पीएम से पूछना चाहता हूं कि 2 के बदले कितने? वहीं उन्होंने यह भी कहा कि देश का जब फुल टाइम डिफेंस मिनिस्टर होगा तभी तो फुल टाइम स्ट्रैटजी होगी। वहीं दूसरी ओर भारत ने सोमवार सुबह पुंछ के कृष्णा घाटी में अपने दो जवानों के सिर काटे जाने का पाकिस्तान से बदला रात होते-होते ले भी लिया। हमारी सेना ने कृष्णा घाटी सेक्टर की कृपाण पोस्ट के उस पार पाकिस्तानी सेना की पिंपल पोस्ट को पूरी तरह से तबाह कर डाला।

बीएसएफ का बड़ा खुलासा: पाक के बॉर्डर एक्शन टीम में थे मुजाहिद्दीन के आतंकी

श्रीनगर

सीमा नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान के आर्मी चीफ के दौरे के बाद कश्मीर के कृष्णा घाटी में पाकिस्तान की ओर से वीभत्स घटना को अंजाम दिए जाने पर जोर देते हुए सीमा सुरक्षा बल ने मंगलवार को खुलासा किया कि इस्लामाबाद की बॉर्डर एक्शन टीम इस हमले में शामिल थी और इस टीम में मुजाहिद्दीन के आतंकी भी थे।

सीमा सुरक्षा बल के अतिरिक्त महानिदेशक के एन चौबे ने मीडिया को पूरी घटना का ब्यौरा दिया और बताया कि किस तरह पाकिस्तान की ने लगातार फायरिंग व दो भारतीय जवानों के क्षत विक्षत शव का फायदा उठाया। चौबे ने कहा, सीमा सुरक्षा के लिए कृष्णा घाटी में आर्मी और बीएसएफ की संयुक्त टीम तैनात की गयी थी। जब टीम नियमित मेंटेनेंश के लिए जा रही थी तब पाकिस्तान की ओर से अचानक हमले शुरू कर दिए। इस क्रम में बॉर्डर एक्शन टीम ने शहीद जवानों के शव को क्षत-विक्षत कर दिया। टीम में रेग्युलर आर्मी और मुजाहिद्दीन के प्रशिक्षित आतंकी थे।

उन्होंने आगे बताया, मैं इस पर आधिकारिक तौर पर कमेंट नहीं करना चाहूंगा, लेकिन हां, हर कोई इस बात को जानता है कि यह घटना पाकिस्तानी आर्मी चीफ के दौरे के बाद हुई।

83 फीसद लोगों ने अपने इलाके को पहले से ज्यादा स्वच्छ बताया

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन का असर दिखने लगा है। देश के 434 शहरों के 83 फीसद लोगों ने कहा है कि पिछले वर्ष की तुलना में उनके इलाके साफ-सुथरे हुए हैं। सरकार ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2017 की रिपोर्ट मंगलवार को जारी की।

सर्वेक्षण के मुताबिक 82 फीसद लोगों ने कहा कि कचरा पात्र उपलब्धता और घर-घर जाकर ठोस अपशिष्ट इकट्ठा करने जैसी सफाई सुविधाएं बेहतर हुई हैं। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने एक लाख या उससे अधिक आबादी वाले 500 शहरों में जनवरी और फरवरी में सर्वेक्षण शुरू किया था। इनमें से 434 शहरों के परिणाम उपलब्ध हो गए हैं।

18 लाख से अधिक लोगों से शहर की सफाई स्थिति के बारे में छह सवाल पूछे गए थे। शहरी विकास मंत्री एम. वेंकैया नायडू ने कहा कि 434 शहरों की स्वच्छता की रैंकिंग चार मई को घोषित की जाएगी। उन्होंने साथ ही कहा कि रैंकिंग से ज्यादा इसमें लोगों की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

सर्वेक्षण में भाग लेने वाले 80 फीसद लोगों ने कहा कि सार्वजनिक शौचालयों में बेहतरी आई है। स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत के बाद से यह दूसरा सर्वेक्षण है। अभियान का लक्ष्य महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगांठ दो अक्टूबर 2019 तक देश को स्वच्छ और खुले में शौच से मुक्त बनाना है।

सर्वे में और भी कई प्रमुख निष्कर्ष सामने आए। 404 शहरों के 75 फीसद रिहायशी इलाके काफी हद तक साफ-सुथरे पाए गए। 185 शहरों में रेलवे स्टेशन परिसर पूरी तरह स्वच्छ पाए गए। 75 फीसद सार्वजनिक शौचालय हवादार, रोशनी और पानी की आपूर्ति वाले पाए गए। 297 शहरों के 80 फीसद वार्ड में घर-घर जाकर कचरा इकट्ठा किए जा रहे हैं।

226 शहरों के 75 फीसद अधिसूचित वाणिज्यिक इलाकों में दो बार झाड़ू लगाई जाती है। क्वालिटी कंट्रोल ऑफ इंडिया (क्यूसीआइ) ने यह सर्वेक्षण संचालित किया था।

पीएम मोदी से मुकाबला करना है तो राहुल गांधी को ये सब करना होगा

नई दिल्ली

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के मुखिया शरद पवार ने नरेंद्र मोदी से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी को कुछ टिप्स दिए हैं। उनका कहना है कि पीएम मोदी से मुकाबला करने के लिए राहुल गांधी को सार्वजनिक तौर पर अधिक दिखाई देना चाहिए। पवार की इस सलाहपूर्ण टिप्पणी पर पहले तो चुप्पी साध ली, लेकिन बाद में इतना कहा कि यह पवार का अपना नजरिया है।

पवार ने मीडिया में दिए बयान में कहा था कि यदि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की एक नजर आने वाले राजनीतिक विकल्प के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देने की मंशा है, तो उन्हें अपने तरीके ठीक करने होंगे और अधिक निरंतरता दिखानी पड़ेगी। कांग्रेस प्रवक्ता आनंद शर्मा ने पवार के इस बयान के बारे में सवाल पूछे जाने पर कहा, मैं शरद पवार का सम्मान करता हूं। उन्होंने अपना दृष्टिकोण रखा है। मैं किसी के दृष्टिकोण पर टिप्पणी नहीं कर सकता।

पीएम मोदी से मुकाबले वाली शरद पवार की टिप्पणी की ओर संकेत करते हुए उन्होंने कहा, राजनीतिक नेता एक दूसरे के क्लोन नहीं हो सकते।

कांग्रेस के हो रहे संगठनात्मक चुनाव के बारे में सवाल किए जाने पर आनंद शर्मा ने कहा कि संगठन में बदलाव होते रहे हैं और आगे भी होंगे। इस बारे में जो भी निर्णय होंगे, उनसे मीडिया को अवगत कराया जाता रहेगा।

पाकिस्तान पर फिर से हो सर्जिकल स्ट्राइक - पासवान

नई दिल्ली

कश्मीर की कृष्णा घाटी में पाकिस्तान के सैनिकों द्वारा भारतीय सेना के सैनिकों पर की गई बर्बरता के बाद सरकार को जहां विपक्ष का हमला झेलना पड़ रहा है वहीं सरकार के सहयोगी दल और सरकार के मंत्री भी पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने की मांग कर रहे हैं। लोजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री ने भी इस मामले में ईंट का जवाब पत्थर से देने और फिर से सर्जिकल स्ट्राइक की बात कही है।

केंद्र सरकार में बीजेपी के सहयोगी दलों ने भी सरकार से अपील की है कि वे ईंट का जवाब पत्थर से दें। लोक जनशक्ति पार्टी के

अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान ने मंगलवार को कहा कि अब पानी सिर के ऊपर जा चुका है। वे फिर से सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कार्रवाई की जरूरत जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार नहीं है कि पाकिस्तान ने भारत के सैनिकों के शव का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि देश के भीतर कुछ ऐसे हालात हैं कि शहीद के परिवार बिना सर के लाश की अंत्येष्टि करने से इंकार कर रहे हैं।

वे ऐसे में पाकिस्तान को बेहरमी से कुचल देने की बात कहते हैं। वे इस समस्या के खात्मे के लिए जरूरी कदम उठाए जाने की बात कहते हैं। गौरतलब है कि मंगलवार को कांग्रेस नेता और पूर्व रक्षामंत्री ए.के. एंटनी ने मोदी सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और कहा कि यूपीए के वक्त ऐसी घटना सिर्फ एक बार हुई थीं वहीं मोदी सरकार के आने के बाद पाकिस्तान अब तक तीन बार ऐसा दुस्साहस कर चुका है।

इलेक्शन कमीशन ने कश्मीर का संसदीय उप चुनाव किया रद्द

नई दिल्ली

कश्मीर में चल रहे अलगाववादी उबाल की वजह से फिलहाल वहां अनंतनाग लोकसभा सीट पर 25 मई को होने वाले उप चुनाव को रद्द कर दिया गया है। बीते दिनों हुए श्रीनगर उपचुनाव में महज सात फीसद मतदान होने और राज्य प्रशासन की ओर से हिंसा बढ़ने की आशंका के मद्देनजर केंद्रीय चुनाव आयोग ने यह कदम उठाया है। यह सीट रिक्त हुए दस महीने बीत चुके हैं।

चुनाव आयोग ने अपने आदेश में कहा है कि निकट भविष्य में इसे आयोजित करने की संभावना नहीं देखकर इसे रद्द किया जा रहा है। अब अगली तारीख का फैसला यहां स्थितियां अनुकूल होने के बाद ही लिया जाएगा। पिछले साल जुलाई में महबूबा मुफ्ती ने मुख्यमंत्री बनने के

बाद इस सीट से इस्तीफा दे दिया था।

दरअसल, राज्य में अलगाववाद प्रभावित चार जिले अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम और सोपियां इसी सीट के तहत आते हैं। पिछले साल पत्थरबाजी और उपद्रव की बड़ी घटनाओं का केंद्र भी यही इलाका रहा है। ऐसे में राज्य प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों के दौरान आयोग से कई बार कहा कि यहां चुनाव कराना अभी ठीक नहीं होगा। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में भी इसी तरह की बात कही है। उधर, विभिन्न राजनीतिक दलों से आयोग ने जो राय ली, उसमें भी अधिकांश फिलहाल चुनाव नहीं करवाने के पक्ष में थे। जम्मू के मुख्य सचिव ने 20 अप्रैल को आयोग को भेजी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि तय समय पर चुनाव कराने में हिंसा का खतरा तो है ही, साथ ही यह आशंका भी है कि वोट प्रतिशत और घट जाए। उन्होंने उपचुनाव को कम से कम अक्टूबर तक के लिए टाल देने का अनुरोध किया है। उधर, आयोग ने राज्य प्रशासन के साथ चर्चा के आधार पर 687 कंपनी यानी लगभग 68 हजार से ज्यादा अर्धसैनिक बलों की मांग की थी, जबकि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इतने कम समय में कुल 304 कंपनी यानी लगभग 30 हजार से ज्यादा जवान उपलब्ध करवाने में असमर्थता जता दी थी।

जल्द उपचुनाव होने का संभावना नहीं

इस महीने के दौरान ही रमजान शुरू हो जाएगा जो जून के अंत तक चलेगा। इसके बाद जून अंत से अगस्त तक अमरनाथ यात्रा चलेगी। इस दौरान लाखों श्रद्धालु बाहर से यहां आएंगे।